आज़ादी का अमृत महोत्सव

साप्ताहिक सूचना पत्र

(दिनांक 27.09.2022 से 02.10.2022)

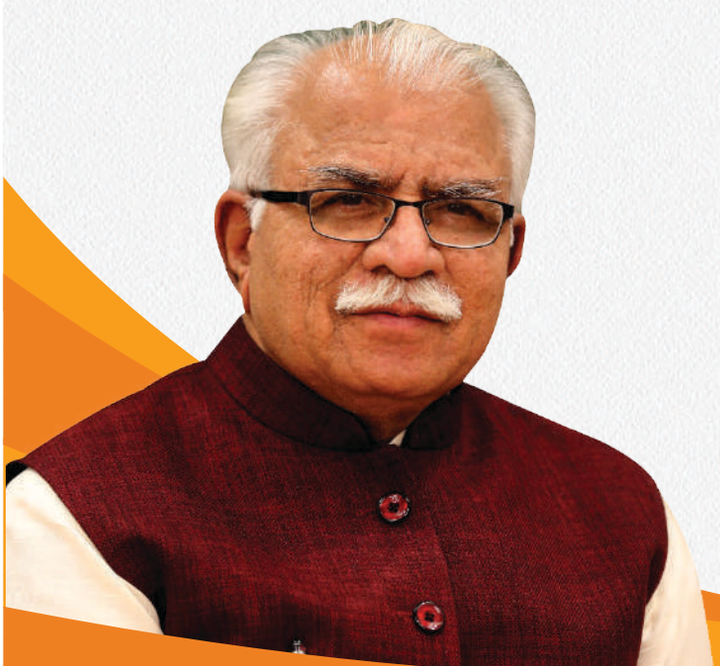

भारतीय जनता पार्टी
हरियाणा

साप्ताहिक सूचना पत्र

'स्वराज' धारावाहिक की विशेष स्क्रीनिंग का आयोजन

(दिनांक 27.09.2022)

प्रभाव : मुख्यमंत्री जी ने पंचकूला के इंद्रधनुष सभागार में आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत दूरदर्शन द्वारा आयोजित 'स्वराज' धारावाहिक की विशेष स्क्रीनिंग में शिरकत की। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने प्रदेश की सभी संस्थाओं, स्कूलों, कॉलेजों व समाज के अन्य वर्गों को आजादी के अमृतकाल में आजादी के किस्सों से जुड़े अलग–अलग कार्यक्रम आयोजित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आजादी से जुड़े किस्से, कहानियां, चर्चा और इससे जुड़ी बातें होती रहनी चाहिए, ताकि हम आने वाली युवा पीढ़ी को बता सकें कि देश को आजादी कैसे मिली।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आजादी के इतिहास में क्या छिपा है और क्या हमें ज्ञात है व क्या अभी भी अज्ञात है, इसे आम लोगों तक पहुंचाने के लिए दूरदर्शन द्वारा किया गया यह प्रयत्न सराहनीय है। उन्होंने कहा कि ऐसा

साप्ताहिक सूचना पत्र

माना जाता है कि हमारी आजादी की लड़ाई 1857 में शुरू हुई लेकिन इससे पूर्व भी अनेक ऐसे क्रांतिकारी और शहीद हुए, जिन्होंने इस देश की आजादी के लिए बहुत प्रयत्न किए। उन्होंने पहले मुगलों से संघर्ष किया फिर अंग्रेजों से लोहा लिया, इस संघर्ष में बहुत सी महान विभूतियों ने अपने प्राण न्योछावर कर दिए, जो इतिहास में दर्ज नहीं हो पाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आजादी के इस अमृत महोत्सव में यह प्रयास किया गया है कि वीर शहीदों के बारे में उपलब्ध जानकारियां को दूरदर्शन ने इकटा करने का बीड़ा उठाया और स्वराज नाम से धारावाहिक की श्रृंखला को बनाया। दूरदर्शन ने स्वराज के 75 एपिसोड बनाए, जिनमें से आज पहले और तीसरे एपिसोड की विशेष स्क्रीनिंग हुई।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि स्वराज शब्द के कई मायने लिए गए। ऐसा माना जाता है कि शासन हमारा है तो हम स्वतंत्र हैं लेकिन स्वराज की गाथा हमारे देश के इतिहास से, हमारे देश

की संस्कृति से, भाषा से, हमारे धर्म से शुरू होती है। यह बातें हमें नई पीढ़ी को बतानी पड़ेंगी। यह समय की आवश्यकता है कि हम आजादी के 100 साल बाद तक भी युवा पीढ़ी को स्वराज का सही अर्थ बताएं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का आभार है, जो उन्होंने वर्ष 2020 में आजादी के अमृत महोत्सव की योजना बनाई। अमृतकाल में 2 वर्ष तक कार्यक्रम बनाने की बात कही गई है। इसी के अंतर्गत यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने दूरदर्शन की टीम को यह धारावाहिक श्रृंखला बनाने पर हार्दिक बधाई दी।

साप्ताहिक सूचना पत्र

शहीद–ए–आजम भगत सिंह जी की 115वीं जयंती पर श्रद्धांजलि

(दिनांक 28.09.2022)

प्रभाव : मुख्यमंत्री जी ने शहीद–ए–आजम भगत सिंह की 115वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि भगत सिंह जैसे क्रांतिकारियों पर पूरे देश को नाज हैं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि मातृ भूमि की रक्षा के लिये भगत सिंह ने अंग्रेजी हुकुमत का डटकर मुकाबला किया। हंसते–हंसते फांसी के फंदे को चूमा। युवा शहीद भगत सिंह को अपना आदर्श मानते है और राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा लेते हैं।

मुख्यमंत्री जी ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का विशेष रूप से आभार व्यक्त किया है कि शहीद–ए–आजम भगत सिंह की 115वीं जयंती से ठीक पहले चंडीगढ़ एयरपोर्ट का नाम शहीद भगत सिंह के नाम पर रखने की घोषणा की थी। आज विधिवत रूप से यह प्रक्रिया पूर्ण हो गई है। यह शहीद–ए–आजम के प्रति हमारी कृतज्ञता दर्शाता है। भगत सिंह को सदैव उनकी कुर्बानी के लिये राष्ट्र याद करता रहेगा।

साप्ताहिक सूचना पत्र

शारजाह में जंगल सफारी का दौरा

(दिनांक 29.09.2022)

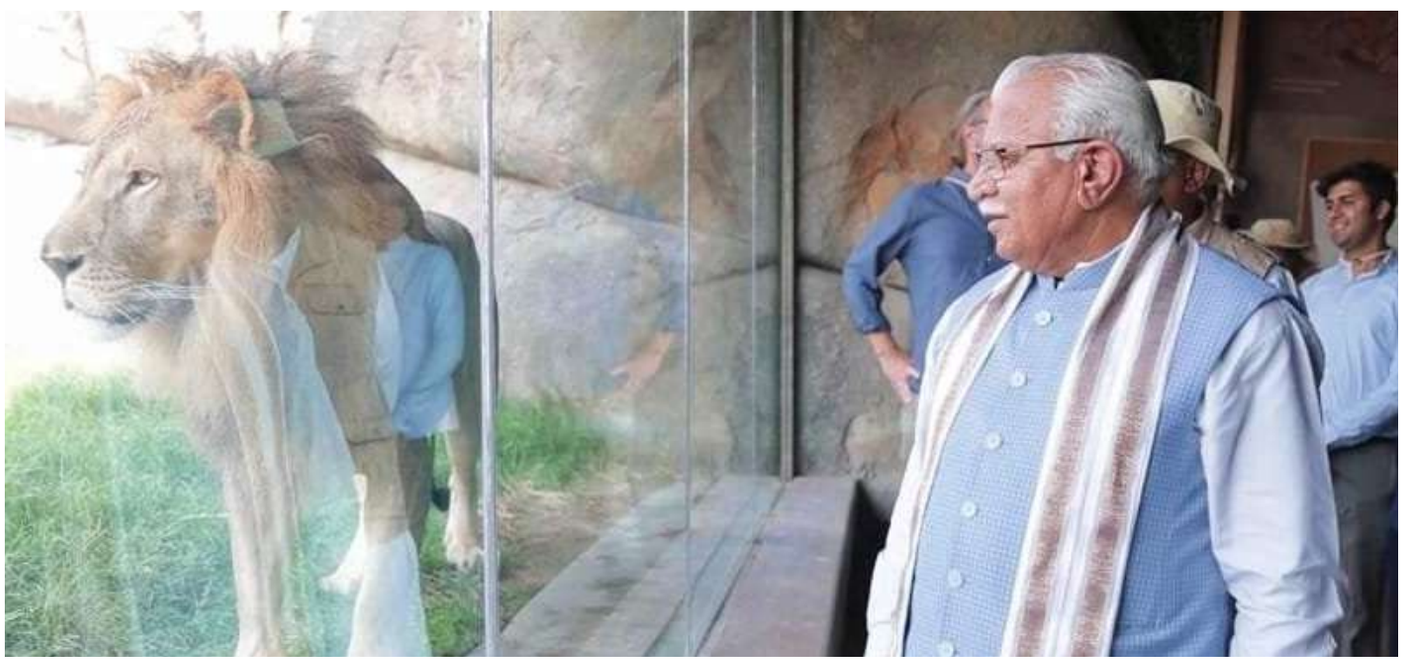

प्रभाव : माननीय मुख्यमंत्री जी अपने दो दिवसीय दौरे पर दुबई पहुंचे। यहां उन्होंने हरियाणा में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए शारजाह की तर्ज पर गुरुग्राम और नूह जिलों की अरावली पर्वत श्रृंखला में पड़ने वाले लगभग 10 हजार एकड़ क्षेत्र में विश्व का सबसे बड़ा सफारी पार्क बनाने की घोषणा की। यह परियोजना दुनिया में इस तरह की सबसे बड़ी परियोजना होगी। वर्तमान में अफ्रीका के बाहर सबसे बड़ा क्यूरेटेड सफारी पार्क शारजाह में है जो फरवरी 2022 में खोला गया था जिसका क्षेत्रफल करीब दो हजार एकड है। प्रस्तावित अरावली पार्क आकार का 5 गुना होगा और इसमें एक बड़ा हर्पेटेरियम, एवियरी/बर्ड पार्क, बिग कैट्स के चार जोन, शाकाहारी जानवरों के लिए एक बड़ा क्षेत्र, विदेशी पशु पक्षियों के लिए एक क्षेत्र, एक अंडरवाटर वर्ल्ड, नेचर ट्रेल्स/विजिटर/टूरिज्म जोन, बॉटनिकल

साप्ताहिक सूचना पत्र

गार्डन/बायोमेस, इक्वाटोरियल/ट्रॉपिकल/कोस्टल/डेजर्ट इत्यादि होंगे। मुख्यमंत्री जी ने बताया कि हरियाणा एनसीआर क्षेत्र में जंगल सफारी की अपार संभावनाएं हैं। जंगल सफारी योजना के साकार होने के बाद एनसीआर में पर्यटन को काफी बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हरियाणा की जंगल सफारी परियोजना पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार और हरियाणा सरकार की एक संयुक्त परियोजना होगी। एक योजना के तहत केंद्र सरकार भी हरियाणा को इस परियोजना के लिए फंड मुहैया करेगी। परियोजना के लिए एक अंतरराष्ट्रीय ईओआई मंगाई गई थी और ऐसी सुविधाओं के डिजाइन व संचालन में अंतरराष्ट्रीय अनुभव वाली दो कंपनियों को शॉर्टलिस्ट किया गया है। वे अब पार्क के डिजाइन, निर्माण की निगरानी और संचालन के लिए एक अंतरराष्ट्रीय डिजाइन प्रतियोगिता में भाग लेंगे। वहीं एक अरावली फाउंडेशन की स्थापना की जाएगी जो परियोजना का प्रबंधन करेगा।

उन्होंने कहा कि केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण ने इसके लिए क्षेत्र का मूल्यांकन अध्ययन किया और इस तरह के पार्क की स्थापना की तकनीकी व्यवहार्यता से सहमत हो गया है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जंगल सफारी विकसित होने से एक ओर जहां इस पर्वत श्रृंखला को संरक्षित करने में मदद मिलेगी वहीं दूसरी ओर दिल्ली और आस–पास के क्षेत्रों से यहां काफी संख्या में लोग पर्यटन के लिए आएंगे जिससे स्थानीय लोगों के लिए बहुत सारे रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। आसपास के गांवों में ग्रामीणों को होम स्टे पॉलिसी के तहत लाभ होगा।

साप्ताहिक सूचना पत्र

मुख्यमंत्री व्यापारी क्षतिपूर्ति बीमा योजना का शुभारंभ

(दिनांक 30.09.2022)

प्रभाव : मुख्यमंत्री जी ने पंचकूला के सेक्टर–9 में छोटे व्यापारी रेहड़ी बाजार पुनर्वास योजना का शुभारंभ करने के बाद आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया। मुख्यमंत्री जी ने घोषणा करते हुए कहा कि छोटे व्यापारियों के नुकसान की भरपाई के लिए मुख्यमंत्री व्यापारी क्षतिपूर्ति बीमा योजना लागू की गई है। इस योजना के तहत व्यापारियों को सामान्य बीमा दर पर आग, बाढ़ आदि से हुए नुकसान की भरपाई की जाएगी ।

मुख्यमंत्री जी ने कुछ दिनों पहले पंचकूला के सेक्टर– 9 में लगी आग के कारण नष्ट हुई दुकानों के पुनर्निर्माण की भी शुरूआत की। इस नए बनने वाले मार्केट को उन्होंने **'अंत्योदय मार्केट'** नाम दिया। उन्होंने 8 अल्लाटियों को पोजैशन लेटर वितरित किए और हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण का योजना पत्र भी जारी किया।

मुख्यमंत्री जी ने घोषणा कि की भविष्य में किसी भी छोटे व्यापारी को इस तरह का दंश को न झेलना पड़े, इसके लिए गुरुग्राम, फरीदाबाद सहित राज्य की सभी रेहड़ी मार्केट को पक्के बूथ बनाकर अलाट किए जाएंगे। उन्होंने पंचकूला की सेक्टर 7, 11 व 17 में भी रेहड़ी मार्केट के पक्के बूथ बनाकर दिए जायेंगे। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत छोटे व्यापारियों को एचएसवीपी द्वारा मार्केट रेट में 25 प्रतिशत की रियायत भी प्रदान की जाएगी, लेकिन यह छूट कब्जाधारियों पर लागू नहीं होगी। उन्होंने कहा कि मार्केट रेट के अनुसार एक बूथ का रेट लगभग 17 लाख रुपए बनता है लेकिन प्राधिकरण की रियायत के बाद 63 स्क्वेयर फीट के बूथ की लगभग 13 लाख रुपए कीमत होगी और इस पर सेंट्रल बैंक की

साप्ताहिक सूचना पत्र

और से 75 प्रतिशत ऋण की सुविधा भी प्रदान की जाएगी। इस प्रकार हर अलॉटी की भरपूर मदद की जा रही है। यदि बूथ धारक इस राशि को 180 दिन में जमा करवा देगा तो उसे ब्याज की पूरी छूट दी जाएगी। उन्होंने कहा कि इस मार्केट में फुटपाथ, बिजली एवम अन्य संसाधनों पर प्राधिकरण की और से 50 लाख रुपए की राशि खर्च की जाएगी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जिस दिन इस मार्केट आग लगने की घटना हुई उसी दिन सरकार ने छोटे व्यापारियों के लिए यह ठान लिया था कि उन्हें भविष्य में ऐसी पीड़ा न झेलनी पड़े और अधिकारियों को इस पर कार्य करने को कहा। अधिकारियों ने कड़ी मेहनत से जल्द ही यह योजना को अमलीजामा पहनाया इसके लिए उन्होंने अधिकारियों का आभार जताया।

हरियाणा सरकार अंतोदय के उत्थान की भावना से कार्य कर रही है ताकि पंक्ति में अंतिम व्यक्ति व्यक्ति का भला सुनिश्चित किया जा सके।

साप्ताहिक सूचना पत्र

जिला पर्यावरण योजना का वार्षिक सम्मेलन का आयोजन

(दिनांक 30.09.2022)

प्रभाव : मुख्यमंत्री जी ने पंचकूला में आयोजित जिला पर्यावरण योजना के क्रियान्वयन के वार्षिक सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। समारोह में राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के चेयरमैन न्यायमूर्ति श्री आदर्श कुमार गोयल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भगवान की देन से पृथ्वी ही एक ऐसा ग्रह है, जहां मानव जीवन सम्भव है और यहां पर पीढ़ी दर पीढ़ी जीवन चक्र चलता आ रहा है। जीवनभर संकट और चुनौतियां आती–जाती रहती हैं। दिन–प्रतिदिन बढ़ता पर्यावरण प्रदूषण आज मानवता के लिए चुनौती बन गया है। अब हमें पर्यावरण को सर्कुलर इकोनॉमी मानकर योजनाएं बनानी होंगी। इसके लिए पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के साथ–साथ अन्य विभागों को भी

मिलकर कार्य करना होगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि कोविड–19 के दौरान जब पूरा विश्व इस महामारी से जूझ रहा था तो भी हम बेहतर योजनाओं व इच्छा शक्ति से कार्य कर इस चुनौती से लड़े हैं। आज कई वन्य प्राणियों की प्रजातियां विलुप्त हो गई हैं। विलुप्त वन्य प्राणियों की प्रजातियों को बचाना व जल संरक्षण समय की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि जब देश में खाद्यानों का संकट आया था तो उस समय हरित क्रांति का आह्वान किया गया और आज हम देश के लिए खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर ही नहीं बने बल्कि दूसरे देशों को भी अनाज निर्यात करने लगे हैं। परंतु उस दौर में खाद्यान्न की गुणवत्ता को भूलकर रासायनिक खादों का उपयोग कर अधिक मात्रा में उत्पादन करने पर जोर दिया और इससे भूमि की उर्वरक शक्ति में भी कमी आई। आज उस समस्या से निपटने के लिए प्राकृतिक खेती और

साप्ताहिक सूचना पत्र

जैविक खेती की अवधारणा को अपनाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि भावी पीढ़ी को विरासत में भू–जल मिले, इसके लिए हरियाणा में मेरा पानी मेरी विरासत योजना लागू की गई है। धान की जगह कम पानी से तैयार होने वाली अन्य फसलों को बढ़ावा देने के लिए किसानों को 7 हजार रुप्ए प्रति एकड़ प्रोत्साहन राशि दी जा रही है। उन्होंने कहा कि आज पीने के पानी को बचाना भी चुनौती बनता जा रहा है। अब एसटीपी के उपचारित पानी का पुनः उपयोग हो, इसके लिए योजनाएं बनाई जा रही हैं। अब घरों में विशेषकर शहरों में पीने के पानी व अन्य जरूरतों के लिए उपचारित पानी के अलग उपयोग हेतू अलग–अलग पाइप लाइन की व्यवस्था करनी होगी। योजनाएं बनाने से पहले पुनः उपयोग किस प्रकार से हो इसके लिए पहले विचार करना होगा।

उन्होंने कहा कि नई तकनीक के अनुरूप योजनाएं बनानी होंगी। जितना खर्च आवश्यक है, उतना ही करना

चाहिए। हर छोटे शहर में ई–वेस्ट, ठोस व तरल कचरा प्रबंधन के संयंत्र लगाने होंगे। उन्होंने कहा कि हरियाणा में लगभग 18 हजार तालाब हैं, जिनमें से ग्रामीण क्षेत्र में 8 हजार ओवरफ्लो तालाब हैं। ऐसे तालाबों के पानी को उपचारित कर सिंचाई के लिए इसका उपयोग हो, इसके लिए सूक्ष्म सिंचाई की योजनाएं बनाई जा रही हैं। तालाब के निकट के क्षेत्र में सूक्ष्म सिंचाई के लिए तालाब के उपचारित पानी का उपयोग अनिवार्य किया जाएगा। इसके लिए सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, विकास एवं पंचायत विभाग तथा मिकाडा मिलकर खाका तैयार कर रहे हैं।

समारोह को संबोधित करते हुए एनजीटी के चेयरमैन न्यायमूर्ति श्री आदर्श कुमार गोयल ने कहा कि मुख्यमंत्री जी निश्चित रूप से बधाई के पात्र हैं, जिन्होंने पर्यावरण संरक्षण की पहल की है। उनकी यह पहल देश को एक नई दिशा देगी। उन्होनें कहा कि मुख्यमंत्री जी के आने के बाद हरियाणा में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में जितना काम हुआ है, वो इससे पहले कभी नहीं हुआ। राज्य में इससे पहले कभी भी तीव्र गति से न तो योजनाएं बनी, न ही जमीनी स्तर पर तेजी से लागू हो पाई। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री स्तर पर कचरा प्रबंधन व पर्यावरण संरक्षण की सोच एक ऐतिहासिक पहल है। पीने के पानी को सुरक्षित करने की पहल भी शायद ही किसी मुख्यमंत्री ने सोची है, इसके लिए पीने के पानी व अन्य उपयोग के लिए उपचारित पानी के अलग–अलग पाइप लाइन बिछाने की जो बात मुख्यमंत्री जी ने अपने संबोधन में कही है, वह अन्य राज्यों के लिए एक उदाहरण है।

साप्ताहिक सूचना पत्र

सभी प्रशासनिक सचिवों और जिला उपायुक्तों के साथ बैठक

(दिनांक 30.09.2022)

प्रभाव : मुख्यमंत्री जी ने प्रशासनिक सचिवों और जिला उपायुक्तों के साथ उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि हर साल की तरह इस बार भी खरीफ विपणन सीजन 2022–23 के खरीद कार्यों का निर्बाध और परेशानी मुक्त संचालन सुनिश्चित किया जाए। वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए हुई बैठक में सरकारी खरीद एजेंसियों के अध्यक्ष भी शामिल हुए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि खरीफ फसलों की खरीद आज से होगी, इसलिए उचित परिवहन सुविधाओं के साथ मॉइश्चर मीटर, तौल तराजू, समय पर उठान, सीसीटीवी कैमरे की स्थापना और मंडी के बुनियादी ढांचे को और मजबूत करना सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने कहा कि चूंकि खरीद आरंभ होने से एक सप्ताह पूर्व हुई बे–मौसम बारिश से उन किसानों को परेशानी हो रही है जो अपनी फसल पहले ही मंडियों में ला चुके हैं, इसलिए संबंधित अधिकारी सुनिश्चित करें कि खरीद से पहले ऐसी फसलें पूरी तरह से सूखी हों। उन्होंने निर्देश दिए कि अधिकारी यह भी सुनिश्चित करें कि खरीद के लिए लाई गई फसल में नमी की मात्रा निर्धारित 17 प्रतिशत के भीतर हो।

उन्होंने निर्देश दिए कि नमी मीटरों की उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए और पुराने मीटरों को भी डिजिटल मीटर से बदला जाना चाहिए। अधिकांश मंडियों में डिजिटल नमी मीटर लगाए गए हैं, लेकिन किसानों की संतुष्टि के लिए मैनुअल मीटर भी रखे जाने चाहिए। किसानों की संतुष्टि हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए

मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिए कि

साप्ताहिक सूचना पत्र

प्रशासनिक सचिवों के अलावा जिला उपायुक्त भी नियमित रूप से मंडियों का दौरा कर परेशानी मुक्त खरीद सुनिश्चित करें। किसानों की शिकायतों का समय से निस्तारण किया जाए। मिल मालिकों के साथ बैठक कर धान का वितरण पारदर्शी तरीके से किया जाए। खरीद का दैनिक डाटा भी अपडेट किया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि फसल स्टॉक की निकासी भी नियमित आधार पर की जाए। इसके लिए उपायुक्त मंडियों का नियमित निरीक्षण करें। उन्होंने निर्देश दिये कि किसानों को अपनी फसल लाने का समय भी समय पर सुनिश्चित किया जाए और हर मण्डी में फसल उठान की पर्याप्त व्यवस्था की जाए। मंडियों में भीड़भाड़ से बचने के लिए प्रत्येक मंडियों के पास अतिरिक्त खरीद केंद्र भी स्थापित किए जाने चाहिए।

उन्होंने कहा कि किसानों, विपणन बोर्ड, मिल मालिकों, आढ़तियों और मंडियों के लिए अलग–अलग एसओपी भी तैयार

साप्ताहिक सूचना पत्र

की जाए। इसके अलावा, महत्वपूर्ण जानकारी के साथ पोस्टर भी मंडियों में वितरित किए जाने चाहिए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रत्येक किसान को समय पर भुगतान सुनिश्चित करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसलिए प्रत्येक संबंधित अधिकारी को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि भुगतान 72 घंटों के भीतर हो जाए। आई–फॉर्म के अनुमोदन से 72 घंटों के भीतर भुगतान ऑनलाइन होना चाहिए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि खरीद व्यवस्थाओं की समीक्षा के लिए प्रशासनिक सचिवों को व्यक्तिगत रूप से मंडियों का दौरा करना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि मंडियों में आने वाले किसानों को कोई समस्या न हो।

मुख्यमंत्री जी ने किसानों की सुविधा के लिए ई–खरीद हरियाणा मोबाइल एप का शुभारंभ किया। यह द्विभाषी ऐप गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध है और इसमें किसानों को पंजीकृत फसलों की संख्या, गेट पास और खरीद के लिए लायी जा सकने वाली फसल की मात्रा के बारे में वास्तविक जानकारी मिलेगी है। कोई भी किसान मेरी फसल मेरा ब्योरा पोर्टल पर पंजीकृत अपने मोबाइल नंबर दर्ज करके ये विवरण प्राप्त कर सकता है। इस एप पर किसान अपनी शिकायत भी दर्ज करा सकते हैं। इसके अलावा, इस ऐप के माध्यम से, किसान तुरंत कहीं भी, कभी भी जे–फॉर्म डाउनलोड कर सकते हैं। वह भुगतान की स्थिति भी देख सकते हैं। किसानों की मदद के लिए एक टोल फ्री नंबर भी साझा किया गया है।

साप्ताहिक सूचना पत्र

द गवर्नेंस चैलेंज (टीजीसी) का आयोजन

(दिनांक 01.10.2022)

प्रभाव : पंचकूला में पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह में द गवर्नेंस चैलेंज (टीजीसी) के विजेताओं को पुरुस्कार और मैडल प्रदान किए। द गवर्नेंस चैलेंज (टीजीसी) राष्ट्रीय गवर्नेंस के मुद्दों पर आयोजित होने वाली प्रतियोगिता है जिसकी परिकल्पना देश के सबसे प्रतिभाशाली युवाओं को गवर्नेंस के मुद्दों पर शामिल करने के लिए की गई है। हरियाणा सरकार टीजीसी के उद्घाटन संस्करण में पार्टिसिपेटिंग स्टेट के रूप में भागीदार बनी। टीजीसी 2022 में, भारत में 30 बिजनेस और पॉलिसी स्कूलों के छात्रों ने अगले दशक के

साप्ताहिक सूचना पत्र

बदलते आजीविका अवसरों के लिए हरियाणा के युवाओं के भविष्य को तैयार करने के विषय पर विचार किया।

टीजीसी 2022 में कुल तीन राउंड थे। इसमें 2,100 से ज्यादा टीमों के करीब 6,400 प्रतिभागियों ने पंजीकरण करवाया जिनमें से 700 से ज्यादा टीमों ने प्रजेंटेशन सबमिट किया और इनमें 26 टीमें कैंपस विजेता घोषित की गईं।

दूसरे राउंड में टीमों ने ज्यूरीपैनल को प्रजेंटेशन दी। टीजीसी नेशनल इवेंट में शीर्ष 6 टीमों ने फाइनल राउंड के लिए क्वालीफाई किया। तीसरे और आखिरी राउंड में शीर्ष 6 टीमों फाइनल टीजीसी सम्मेलन में मुख्यमंत्री जी और वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों को अपना समाधान पेश किया।

टीजीसी सम्मेलन में एनएमआईएमएस मुंबई टीजीसी 2022 के पहले संस्करण की विजेता बनी। मुख्यमंत्री ने विजेता टीम को ट्रॉफी, सर्टिफिकेट और 5 लाख रुपए की राशि का चैक देकर उनको स्समानित किया। इसी प्रकार, दूसरे स्थान पर रही आईआईएम बैंगलोर की टीम को ट्रॉफी, सर्टिफिकेट और 3 लाख रुपए की राशि का चौक तथा तृतीय स्थान पर रही आईआईएम कोझीकोड की टीम को ट्रॉफी, सर्टिफिकेट और 1 लाख रुपए की राशि का चौक मुख्यमंत्री ने सौंपा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने कहा कि इस प्रकार का कार्यक्रम न केवल हरियाणा बल्कि अन्य राज्यों, देश व दुनिया के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि आज गवर्नेंस एक व्यापक विषय बन चुका है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में जब उन्होंने मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली थी तब यह कहा जाता था कि उन्हें मुख्यमंत्री के कार्य का अनुभव नहीं है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हमें जनता की भलाई करने का, सुविधाजनक सिस्टम बनाने का अनुभव अवश्य था। उसी वर्ष 25 दिसंबर को सुशासन दिवस के रूप में मनाने का संकल्प लिया और एक नई पहल करते हुए सीएमविंडो की शुरुआत की। जिसके आज सकारात्मक परिणाम आ रहे हैं।

साप्ताहिक सूचना पत्र

पिछले 8 वर्षों में सीएमविंडो पर लगभग 10 लाख से अधिक शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें से 90 प्रतिशत शिकायतों का समाधान हुआ है। अब आमजन अपनी समस्याओं को घर बैठे ही केवल ऑनलाइन सिस्टम के माध्यम से अपनी बात सरकार तक पहुंचा सकता है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि अध्यापकों की सुविधा के लिए भी एक बड़ा कदम उठाते हुए ऑनलाइन अध्यापक स्थानांतरण नीति की भी हरियाणा ने शुरुआत की, जिसका अनुसरण आज अन्य राज्य भी कर रहे हैं। इस प्रकार, पिछले 8 सालों में राज्य सरकार ने व्यवस्था परिवर्तन के 100 से अधिक कार्य किये हैं, ताकि आमजन के जीवन को सुविधाजनक बनाया जा सके।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि किसी भी व्यक्ति की मूलभूत आवश्यकता 5एस पर आधारित होती है, यानी–शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, स्वावलंबन और स्वाभिमान। राज्य सरकार इन्हीं मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करने की दिशा में निरंतर कार्य कर

रही है।

उन्होंने कहा कि शिक्षा ऐसी होनी चाहिए, जिसमें राष्ट्रीयता की भावना हो। इसी के मद्देनजर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने नई शिक्षा नीति – 2020 को लागू करने का आह्वान किया है, क्योंकि शिक्षा के माध्यम से ही एक व्यक्ति संस्कारवान बन सकता है।

उन्होंने कहा कि युवाओं में यह भाव होना चाहिए कि उन्हें नौकरी लेने वाला नहीं बल्कि नौकरी देने वाला बनना है। यह भाव तभी आएगा, जब वह स्वयं कुशल बनेंगे। युवाओं के मन में यह भाव होना आवश्यक है कि उन्हें देश के लिए कुछ करना है और इसके लिए द गवर्नेंस चैलेंज जैसे कार्यक्रम का आयोजन करना आवश्यक है।

साप्ताहिक सूचना पत्र

जिला उपायुक्तों के साथ बैठक

(दिनांक 01.10.2022)

प्रभाव : मुख्यमंत्री जी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रशासनिक सचिवों, मंडल आयुक्तों और जिला उपायुक्तों के साथ हाई लेवल बैठक की। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हाल ही में प्रदेश में हुई भारी बारिश के कारण खराब फसलों की जानकारी किसान ई–फसल क्षतिपूर्ति पोर्टल पर दर्ज करें। अधिकारी किसानों को प्रोत्साहित करें कि वे जल्द से जल्द अपने नुकसान का ब्यौरा पोर्टल पर भरें, ताकि किसानों को जल्द मुआवजा मिल सके।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार फसल नुकसान के सत्यापन और मुआवजे में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। किसानों की सुविधा के लिए ही सरकार ने ई– फसल क्षतिपूर्ति पोर्टल बनाया है, जिस पर किसान स्वयं अपनी फसल खराबे का ब्यौरा दर्ज कर सकता है। इसलिए किसान भाइयों से आग्रह है कि वे इस पोर्टल पर अपनी फसल के नुकसान की जानकारी को स्वयं अपडेट करें ताकि उन्हें मुआवजा पाने में किसी भी तरह की देरी या परेशानी का सामना न करना पड़े।

मुख्यमंत्री जी ने उपायुक्तों को निर्देश दिए कि किसान द्वारा अपने नुकसान का डाटा पोर्टल पर अपलोड करने के सात दिनों के भीतर संबंधित पटवारी, कानूनगो इस डाटा का सत्यापन सुनिश्चित करें। इसके अलावा, तहसीलदारों को भी अपने स्तर पर इसका सत्यापन शुरू कर देना चाहिए ताकि किसानों को उनके नुकसान का उचित मुआवजा जल्द मिल सके।

मुख्यमंत्री जी ने जिला उपायुक्तों को भारी बारिश के कारण जलभराव वाले क्षेत्रों से समय पर पानी की निकासी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जलभराव की समस्या के समाधान के लिए हर उपायुक्त को युद्धस्तर पर काम करना चाहिए। बे–मौसम भारी बारिश से पैदा हुई बाढ़ जैसी स्थिति से बचने के लिए नालों की समुचित सफाई की जाए।

साप्ताहिक सूचना पत्र

'चैंपियंस ऑफ चेंज हरियाणा 2021 अवार्ड'

(दिनांक 02.10.2022)

प्रभाव : मुख्यमंत्री जी के पिछले आठ वर्षों से सत्ता व राजनीति में अपनी पारदर्शी कार्य प्रणाली से बदलाव लाने की उनके प्रयासों को आज उस समय भी मोहर लगी जब आज राष्ट्रीय व राज्य स्तर पर 'चैंपियन ऑफ अवार्ड' का पुरस्कार प्रदान करने वाली संस्थान इंटरेक्टिव फोरम ऑन इंडियन इकनॉमी व हरियाणा के राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय ने भी समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए हरियाणा में बदलाव का वास्तविक चैंपियन करार दिया।

साप्ताहिक सूचना पत्र

सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश तथा मानवाधिकार आयोग के पूर्व अध्यक्ष न्यायमूर्ति डॉ. के.जी. बालाकृष्णन की अध्यक्षता वाली चैंपियन ऑफ चेंज चयन समिति ने मुख्यमंत्री जी को पहला **'चैंपियन ऑफ चेंज हरियाणा 2021 अवार्ड'** दिया। चयन समिति के अन्य सदस्यों में सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति ज्ञान सुधा मिश्रा, अधिवक्ता नंदन कुमार झा, मीडिया जगत में जाने–माने चेहरे डॉ. वेद प्रताप वैदिक तथा पूर्व राजदूत दयाकर रतक कोंडा शामिल हैं।

राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय ने अपने संबोधन में कहा कि मुख्यमंत्री जी ने पूरा जीवन समाज को समर्पित किया और पिछले आठ वर्षों में केवल समाज व राष्ट्र को ही अपना परिवार बताते हुए पारदर्शिता के साथ कार्य किया है और राज्य में सुशासन स्थापित करने के एक नए युग का सूत्रपात किया है। भ्रष्टाचार पर चोट पहुंचाई है और सरकारी योजनाओं का लाभ आम आदमी तक पारदर्शी व ऑनलाइन तरीके से पहुंच रहा है और सही मायनों में मुख्यमंत्री ने पंडित दीन दयाल उपाध्याय के सपने को सकार किया है।

साप्ताहिक सूचना पत्र

हरियाणा में खेल, शिक्षा, कृषि, स्वास्थ्य, उत्पाद, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता व ढांचागत विकास में अभूतपूर्व कार्य किया है। इसका श्रेय मुख्यमंत्री व उसकी टीम के साथ–साथ हरियाणा की जनता को भी जाता है जिन्होंने कंधे से कंधा मिलाकर मुख्यमंत्री का साथ दिया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी विश्व में बदलाव के सबसे बड़े चैंपियन हैं। देश को उन्होंने नई ऊचाइयों तक पहुंचाया है और हरियाणा पर उनका विशेष आशीर्वाद रहा है और इस प्रकार उनके प्यार, प्रेम व आशीर्वाद से मुख्यमंत्री ने निवेश उत्प्रेरक की भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के पथ प्रदर्शन में राज्य में सामाजिक परिवर्तन का भी सूत्रपात हुआ है। उन्होंने 'चैंपियन ऑफ चेंज हरियाणा 2021' के पुरस्कार विजेताओं को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पुरस्कार आप के स्वयं के लिए नहीं है बल्कि जिस समाज व क्षेत्र के लिए आपने काम किया है, पूरा श्रेय उसको जाता है। आप सब सकारात्मक बदलाव के असली नायक हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज का दिन हमारे लिए गौरव का दिन है और इंटरेक्टिव फोरम ऑन इंडियन इकनॉमी संस्था भी पिछले कुछ वर्षों से सराहनीय कार्य कर रही है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने घोषणा की कि जो प्रगतिशील किसान दस किसानों को अपने जैसा बनाएगा उसे अगले वर्ष 'चैंपियन ऑफ चेंज अवार्ड' से नवाजा जाएगा। उन्होंने कहा कि समाज की पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति को आगे लाना और फिर उसके बाद जो अतिम पंक्ति में आया उसे आगे बढ़ाना यही हमारे आर्दश पंडित दीन दयाल उपाध्याय का अंत्योदय सिद्घांत है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि कुछ लोग राजनीति में सत्ता भोगने के लिए आते हैं परन्तु वे तो जन सेवा के भाव से राजनीति में आए हैं।